रंगमहल
दस भोम

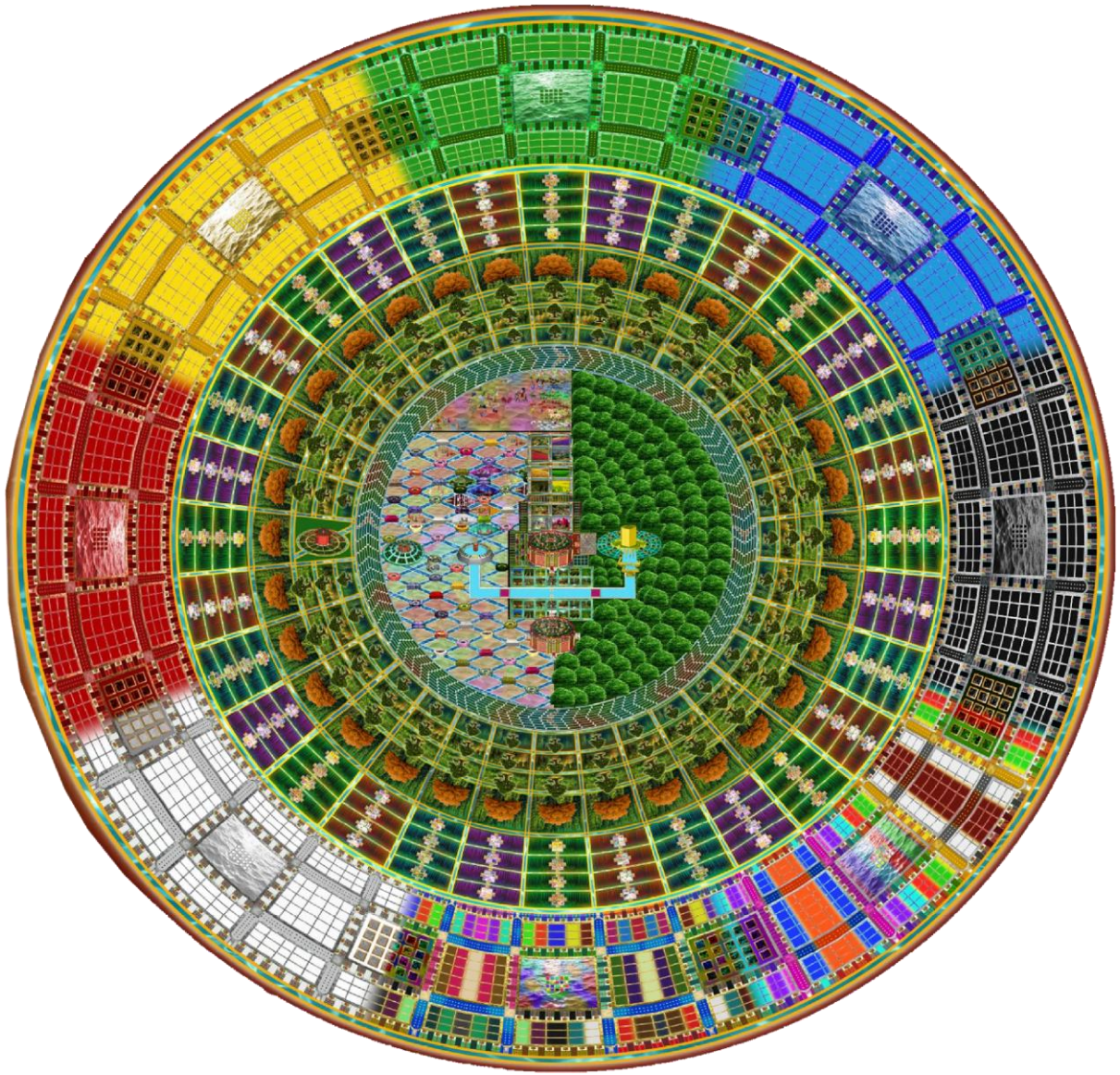

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

रंगमहल

धाम दरवाजा

धाम चबूतरा सोभा

रंगमहल – दस भोम

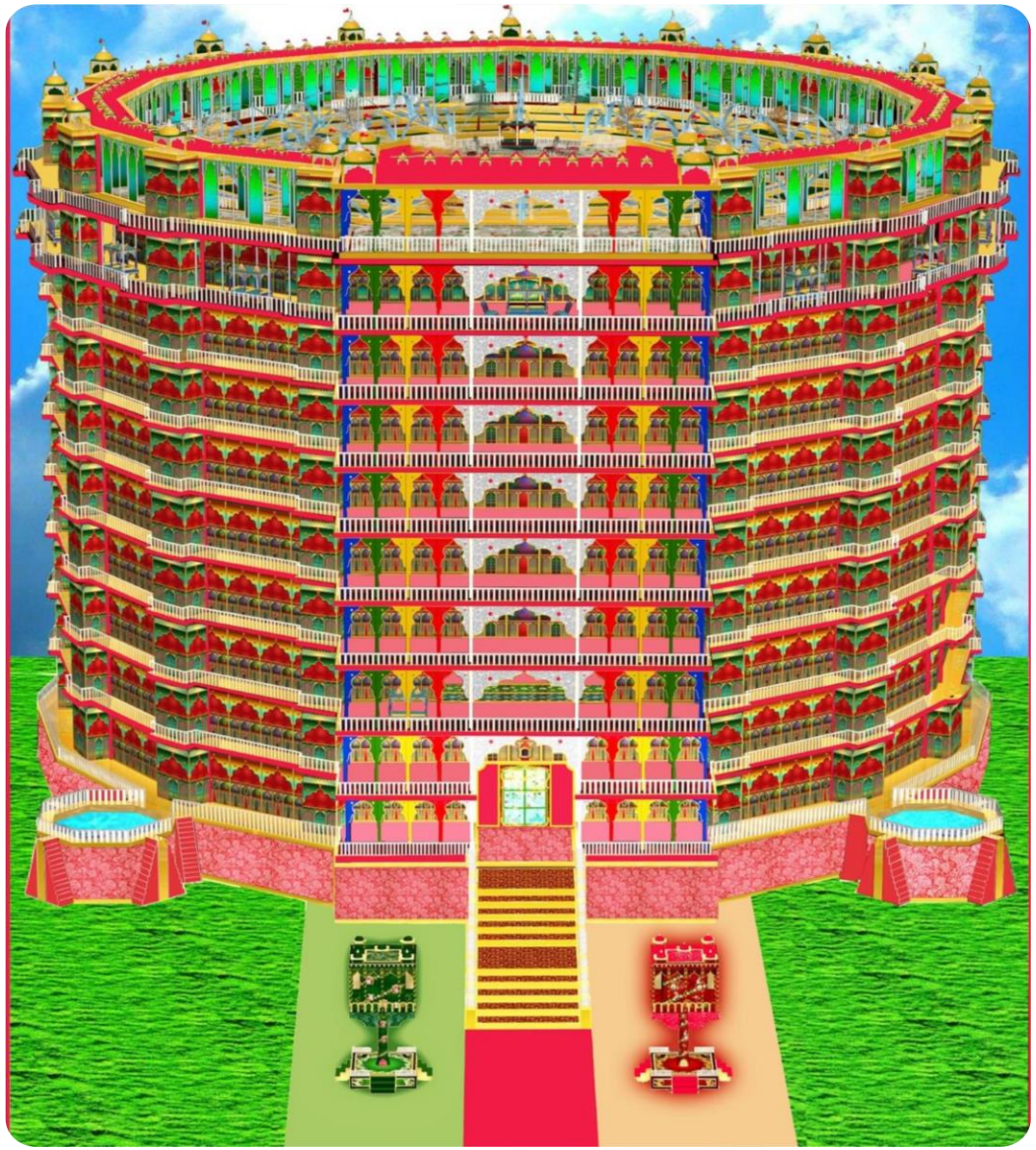

रंगमहल - धाम दरवाजा & धाम चबूतरा सोभा

विडिओ : https://youtu.be/L2bc8q2_F08

दोऊ कमाड़ रंग दरपन, माहें झलकत सामी बन ।
नंग बेनी पर देत देखाई, ए सोभा कही न जाई ।।

रंगमहल

रंगमहल की भोम के 9 फिलावा

रंगमहल की भोम के 9 फिलावा

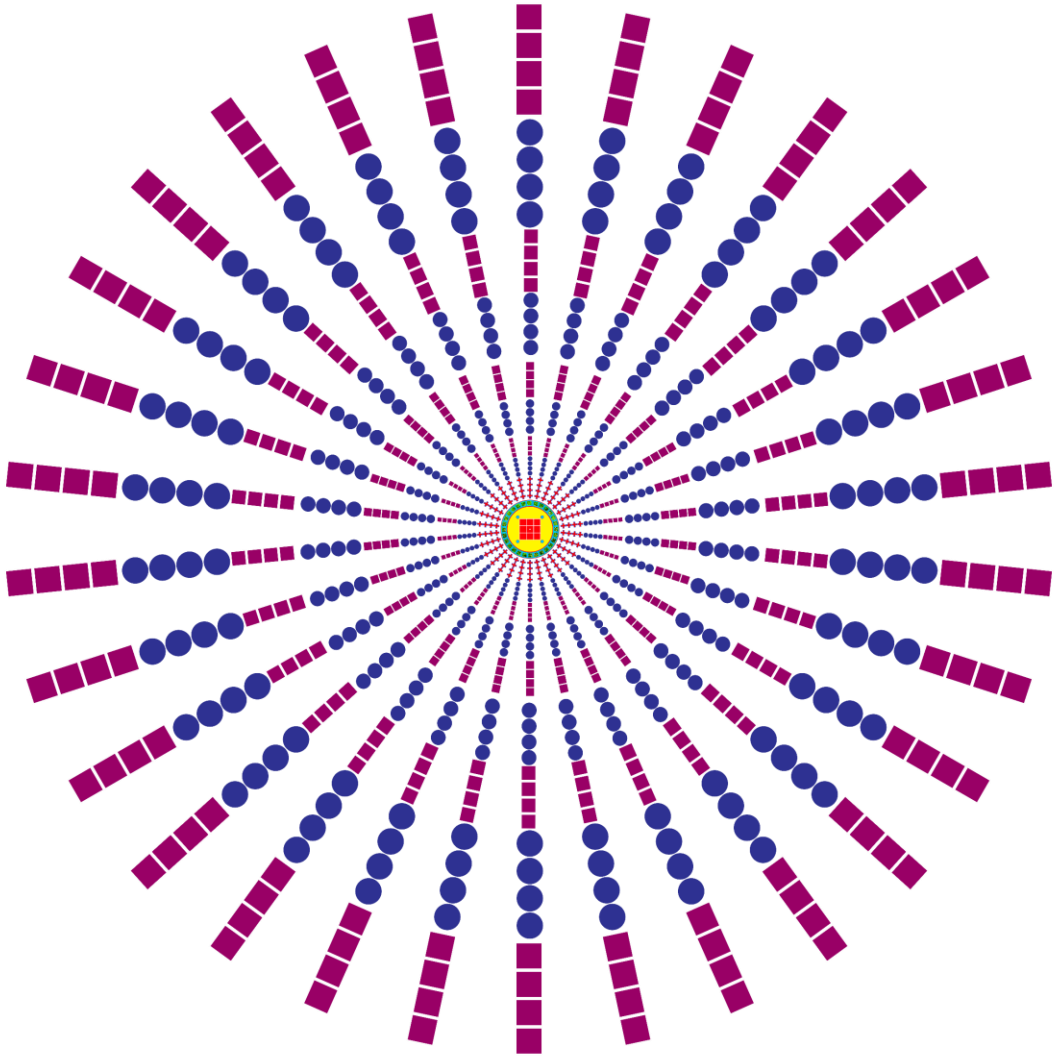

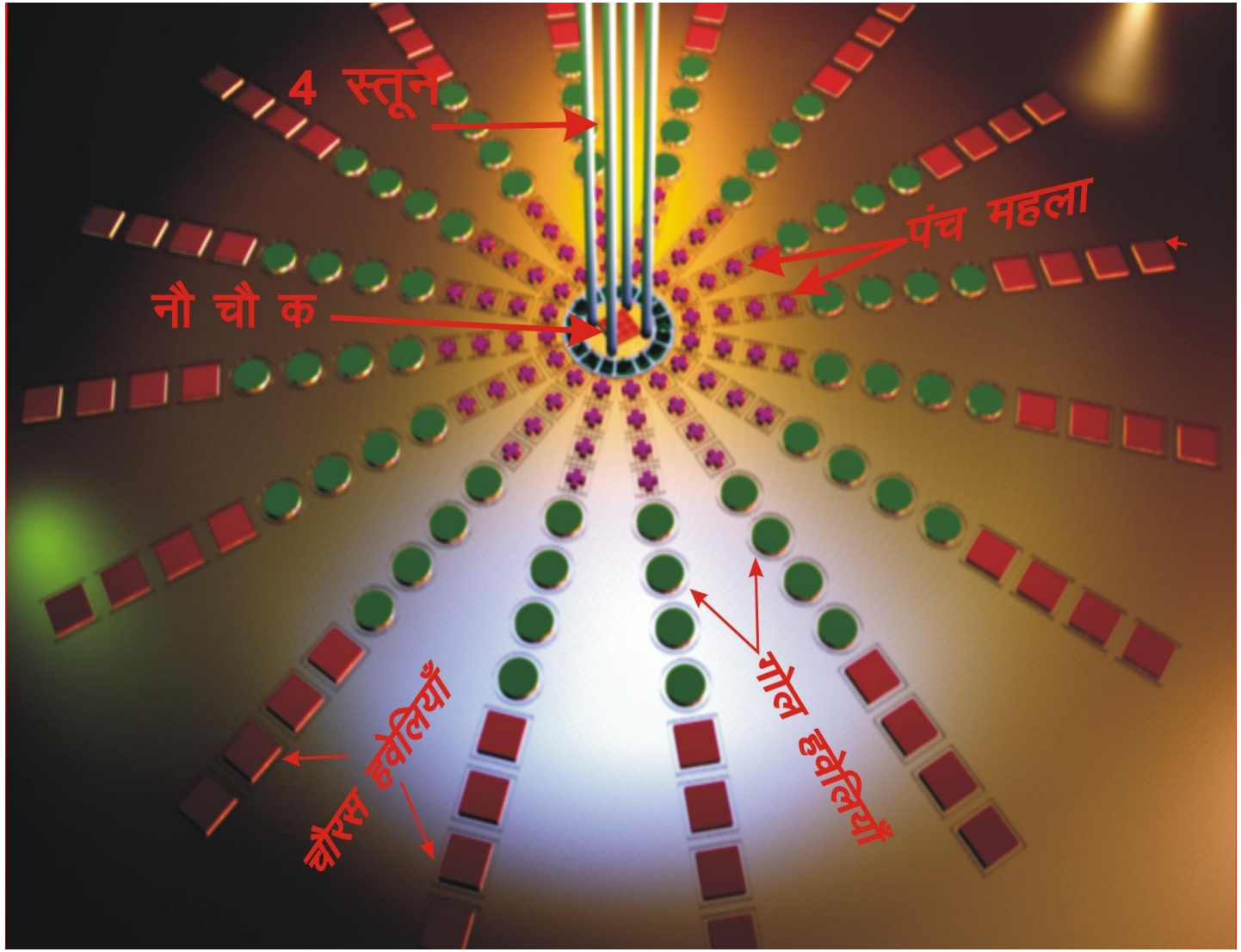

रंगमहल की भोम के 9 फिलावा

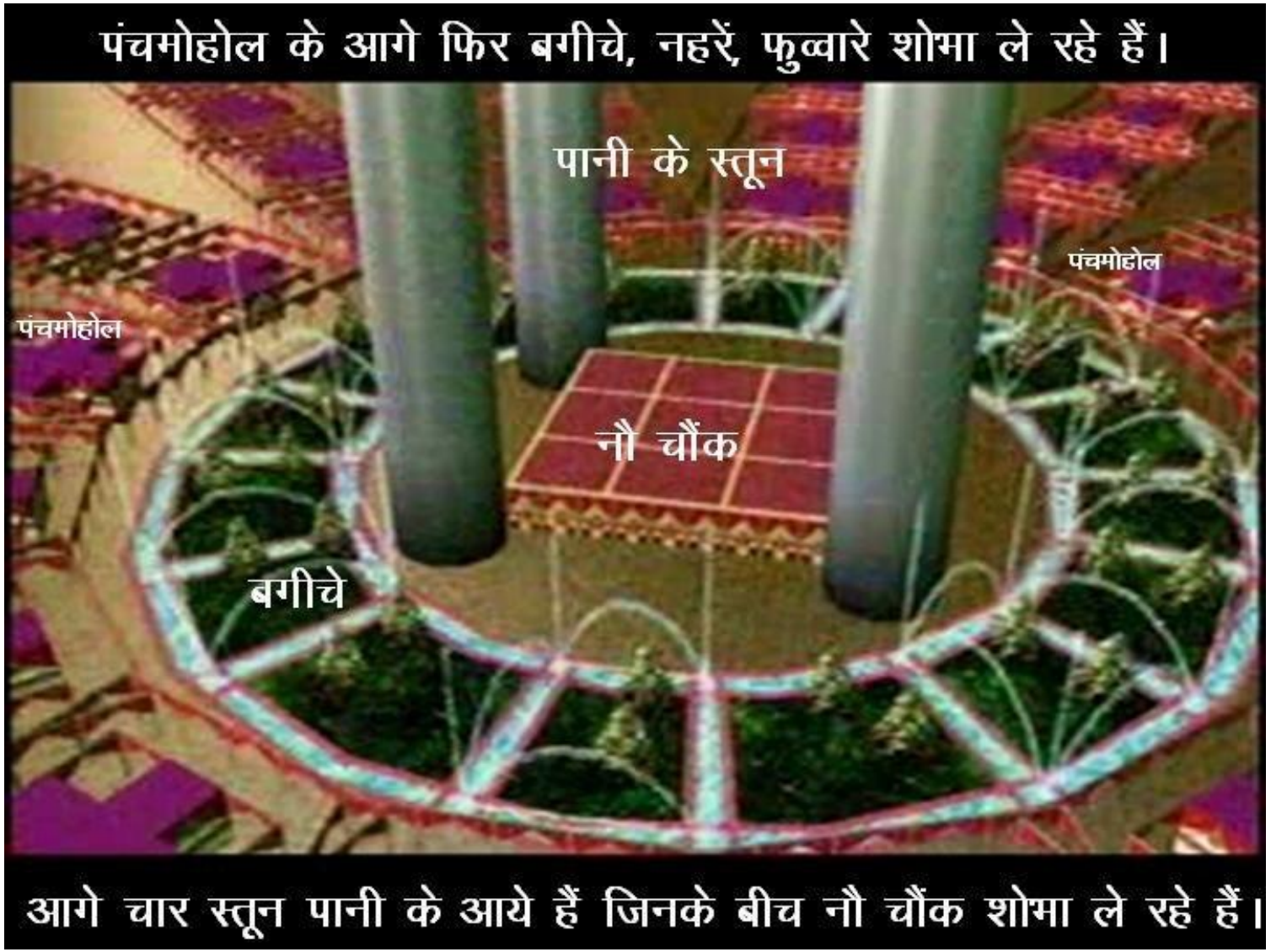

रंगमहल की भोम के 9 फिलावा - पंच महोल

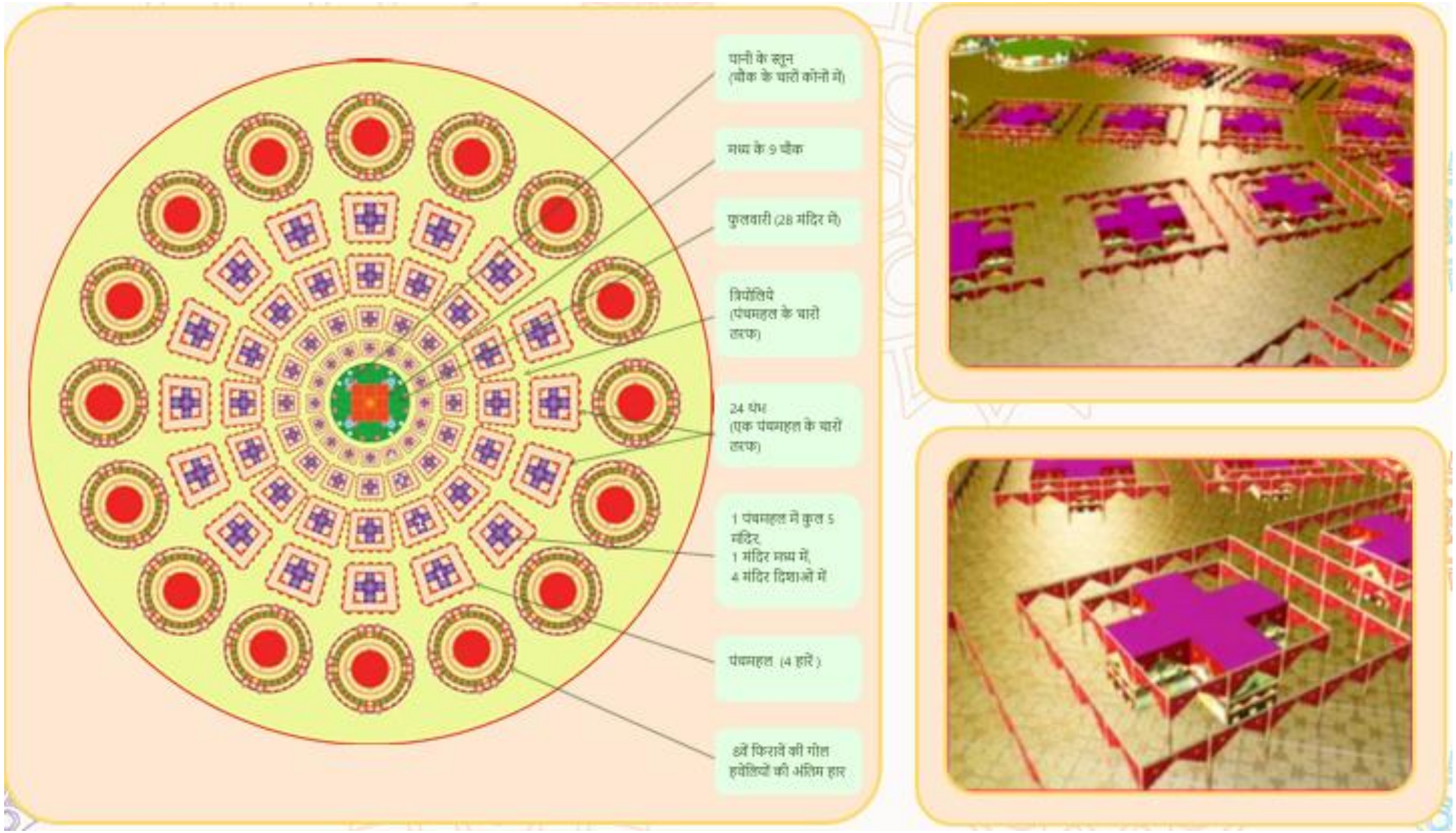

रंगमहल पहेली भोम

28 थभ का चोक

रसोई की हवेली

मूलमिलवा

रंगमहल पहेली भोम – 28 थंभ का चोक

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U

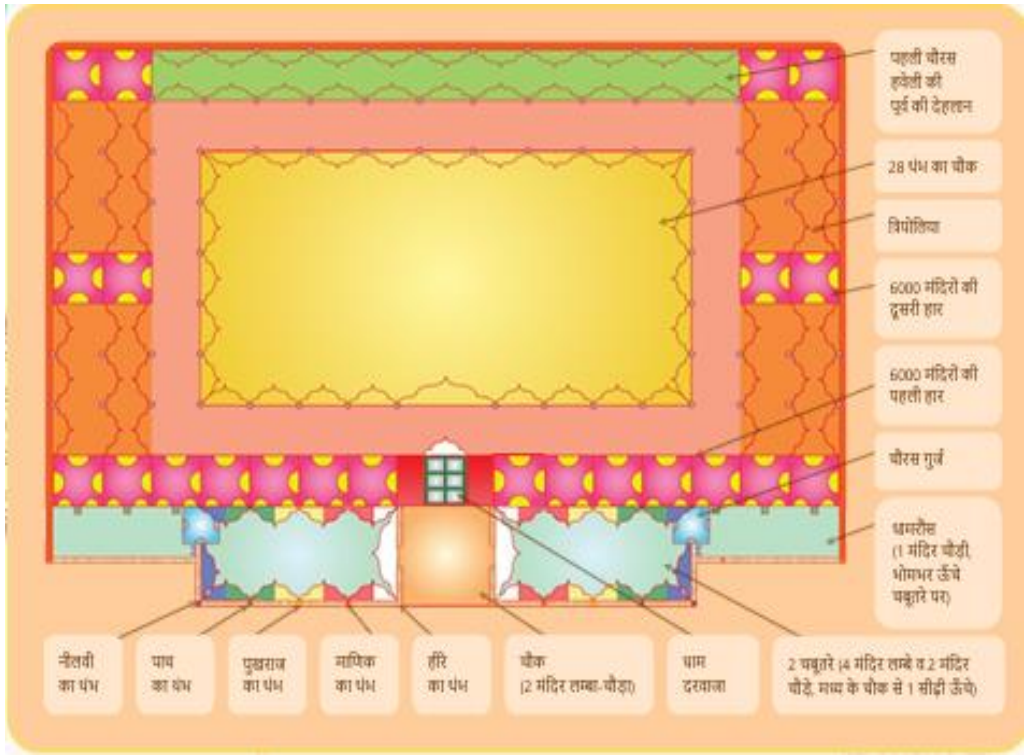

बड़ा चौक शोभा लेत है , बड़े दरवाजे अंदर ।
बड़ी बैठक इत गिरोह की , आगूं रसोई के मंदिर ।।

रंगमहल पहेली भोम - रसोई की हवेली

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U

दोऊ जोड़े इन चबूतरे , जब बैठे युगल किशोर ।
ठाड़ी रूहें मिल बातां करें , इत प्यार बतावत जोर ।।
क्यों कहूँ सुंदरता सरूप की , क्यूँ कहूँ मीठे नैन ।
क्यूँ कहूँ इन मेहेर की , रस भरे काढ़े बैन ।
एक बात करे राज सों , इत दूजी पावत सुख ।
कोई ढ़िग ठाड़ी रहे , देखे नूरजमाल का मुख ।। ब

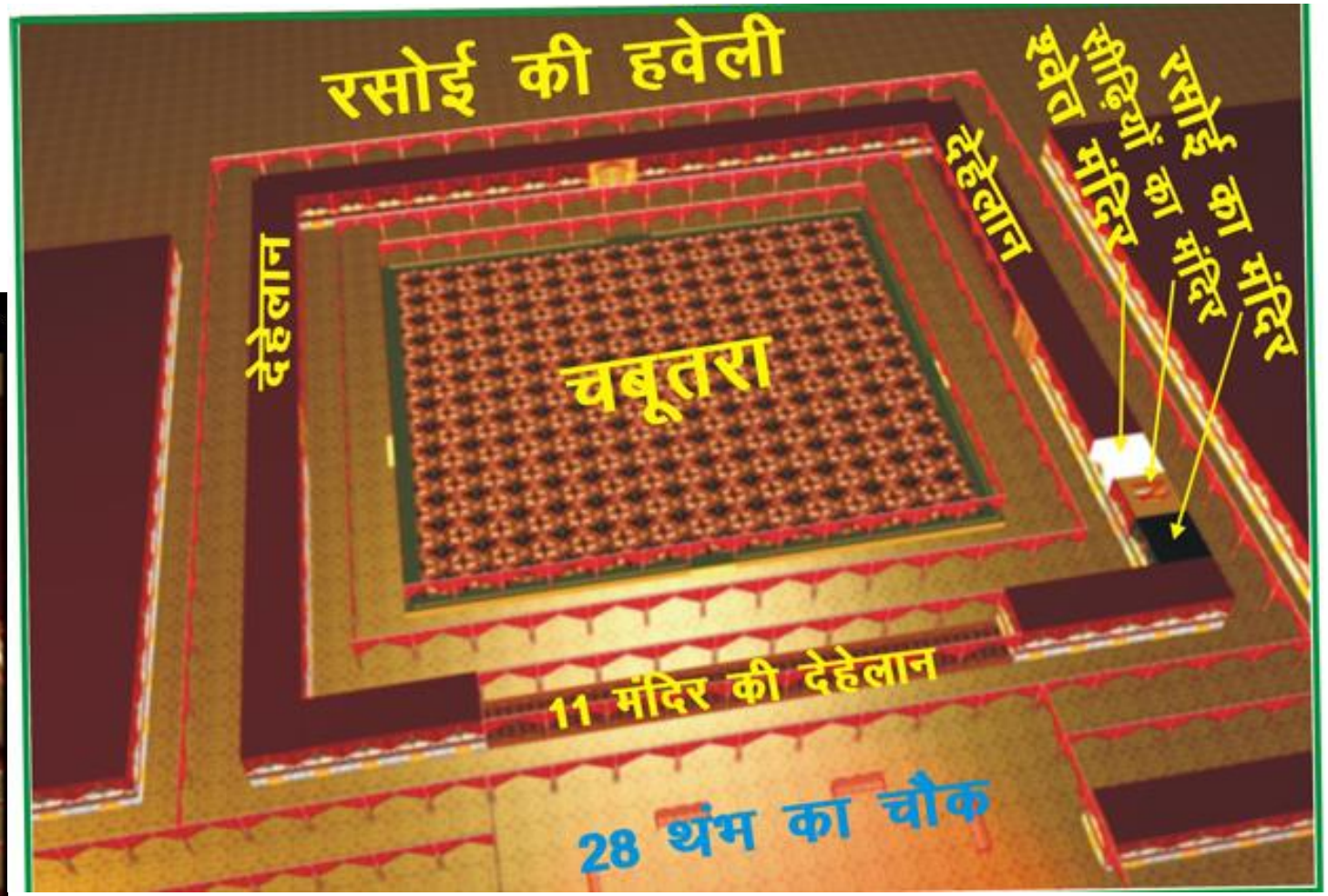

स्याम मंदिर रसोई होत जित , जोड़े सेत मंदिर है तित ।
बन थें फिरें संझा जब , इन मंदिरों आरोगें तब ।।

रंगमहल पहेली भोम - रसोई की हवेली

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U

स्याम मंदिर रसोई होत जित , जोड़े सेत मंदिर है तित ।
बन थें फिरें संझा जब , इन मंदिरों आरोगें तब ।।
जब इत आरागन का , बैठत हक सुभान ।
बातां करे चित्त चाहती , सो मोमिन दिल पेहचान ।।
अधबीच आरोगते , मीठी बातां करें बनायें ।
ढ़िग बैठी मवसर पावत , देख सुख पावत सब ताए ।

रंगमहल पहेली भोम – मूलमिलावा

विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

सुरता एकै राखिये , मूल मिलावे माहें ।
स्याम स्यामाजी साथजी , तले भोम बैठे हैं जाहें ।। सागर 7/3

रंगमहल पहेली भोम - मूलमिलावा

विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

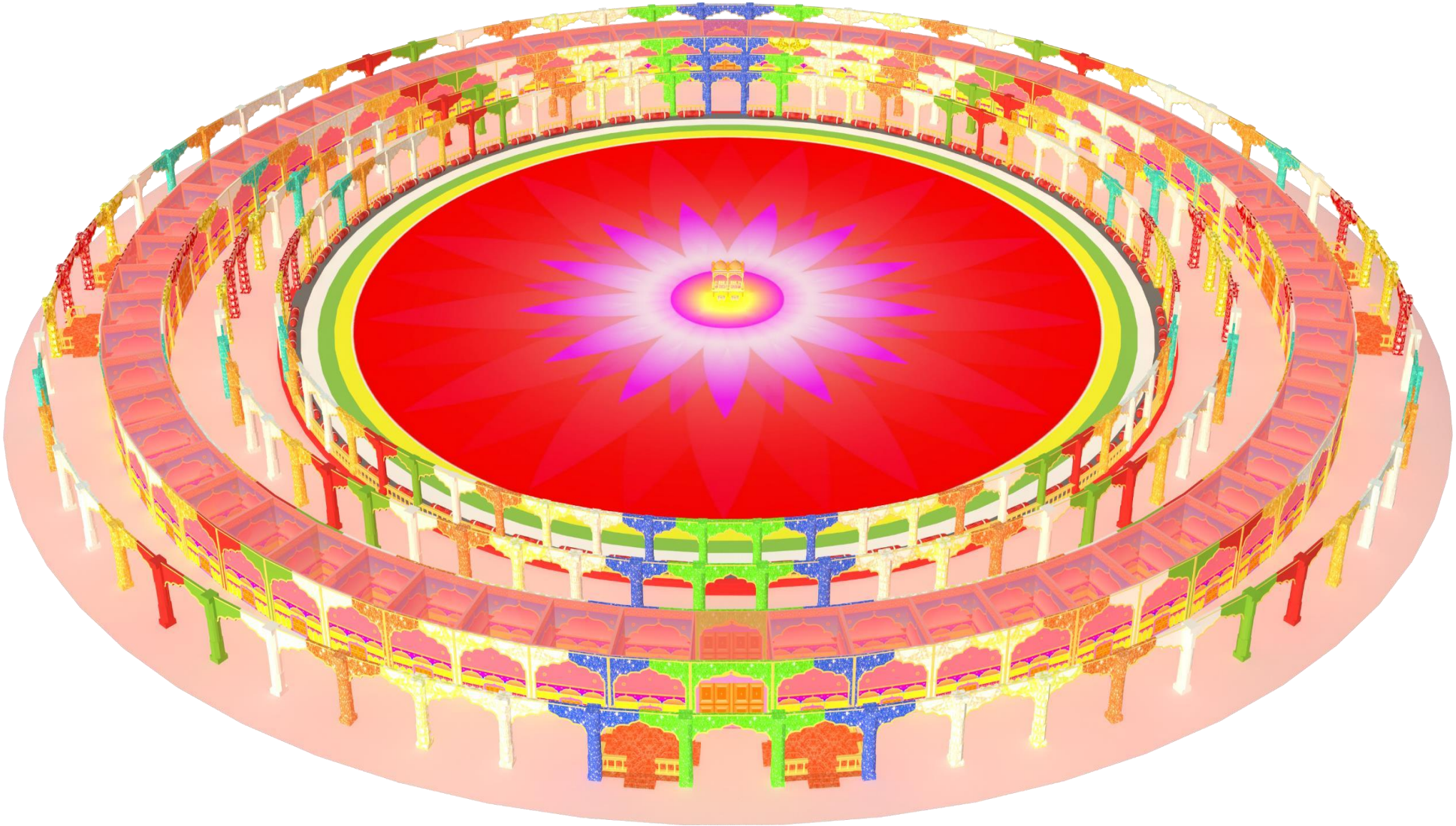

रंगमहल पहेली भोम - मूलमिलावा

विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

एक स्वरूप होए बैठियाँ , माहें वस्तरों कई रंग ।
क्यों ए बरनन होवहीं , रंग रंग में कई तरंग ।।
एक दूजी को अंक भर , लग रहियाँ अंगों अंग ।
दिल में खेल देखन का , है सबों अंगों उछरंग ।।

जैसे सरूप रूहन के , चरनों लगे गिरदवाए ।
त्यों पुतलियाँ मोतियन की , कदमों रहीं लपटाए ।।

थम्ब बारे भए इन विध, साम सामी एक एक।
यों बारे बने साम सामी, तरफ चारों इन विवेक॥ 15
हीरा लसनियां गोमदिक, मोती पांने परवाल।
हेम चांदी थम्ब नूरके, थम्ब कंचन अति लाल॥ 16
पिरोजा और कपूरिया, याके आठ थम्ब रंग दोए।

रंगमहल पहेली भोम - मूलमिलावा राज श्यामजी श्रृंगार

विडिओ: https://youtu.be/V-OtMfGMcoQ

रंगमहल पहेली भोम - मूलमिलावा राज श्यामजी श्रृंगार

विडिओ: https://youtu.be/V-OtMfGMcoQ

इन सिंहासन ऊपर, बैठे युगल किशोर ।
वस्तर भूखन सिनगार ,सुंदर जोत अति जोर ।। सागर 1/118

चारों चरन सुन्दर सुख दाई,
भूखन की सोभा मुख वरनी न जाई।।२।।
झांझरी घुंघरी कांबी कड़ला अलेखे,
अनवट विछुवा श्री श्यामाजी विसेखे।।३।।
नीलो है चरणिया केसरी इजार,
स्वेत दावन झाँई करे झलकार।।४।।
चोली स्याम जड़ाव साड़ी सेंदुरिया रंग राजे,
हैयड़े पर हार सोभा अधिक विराजे।।५।।
जरी जामा श्वेत जड़ाव अंग सोहे,
नीलो पीलो पटुका देखत मन मोहे।।६।।
जामे ऊपर चादर रंग आसमानी,
छेड़े किनार बेली जाय न बखानी।।७।।
जरी पाग सेंदुरिया जग मग जोत,
राखड़ी कलंगी कही जाय न उद्योत।।८।।
शब्दातीत पिया शोभा है अपार,
श्री महामति अंगना जाय बलिहार।।९।।

रंगमहल पहेली भोम - मूलमिलवा राज श्यामजी श्रृंगार

विडिओ: https://youtu.be/V-OtMfGMcoQ

श्री राजजी का श्रृंगार

श्री श्यामजी का श्रृंगार

रंगमहल की दुसरी भोम

धाम दरवाजा मंदिर का झरोखा

भुलवनी मंदिरों

खड़ोकली

रंगमहल दुसरी भोम - 2nd भोम धाम दरवाजा मंदिर का झरोखा

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

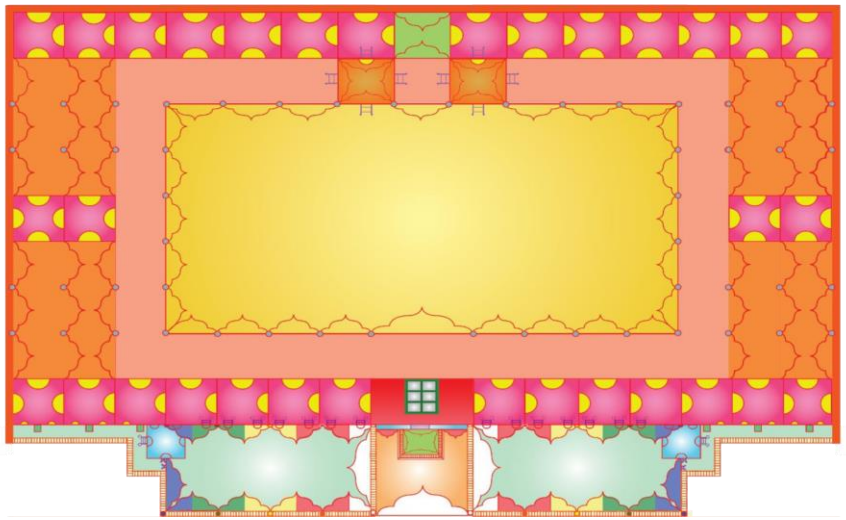

रंगमहल दुसरी भोम - भुलवनी मंदिरों

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

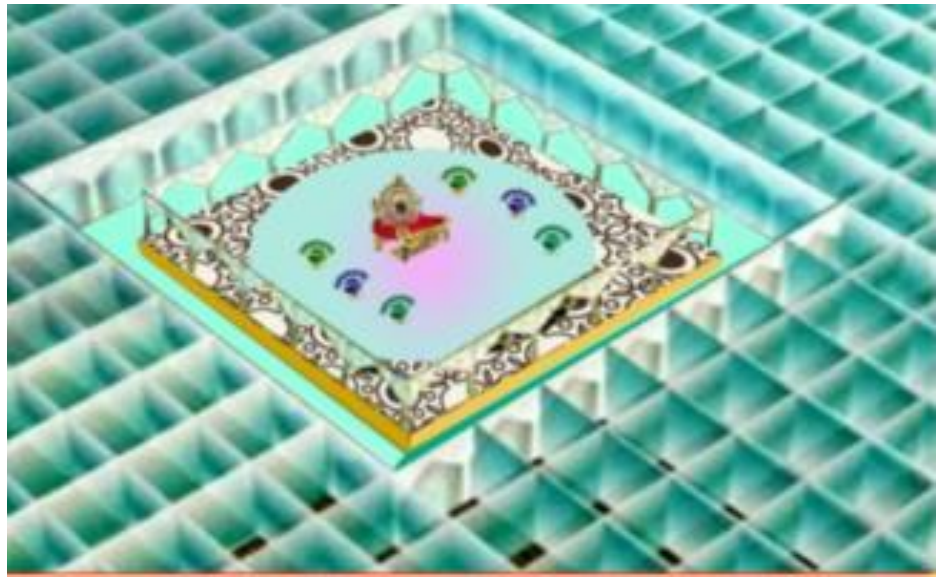

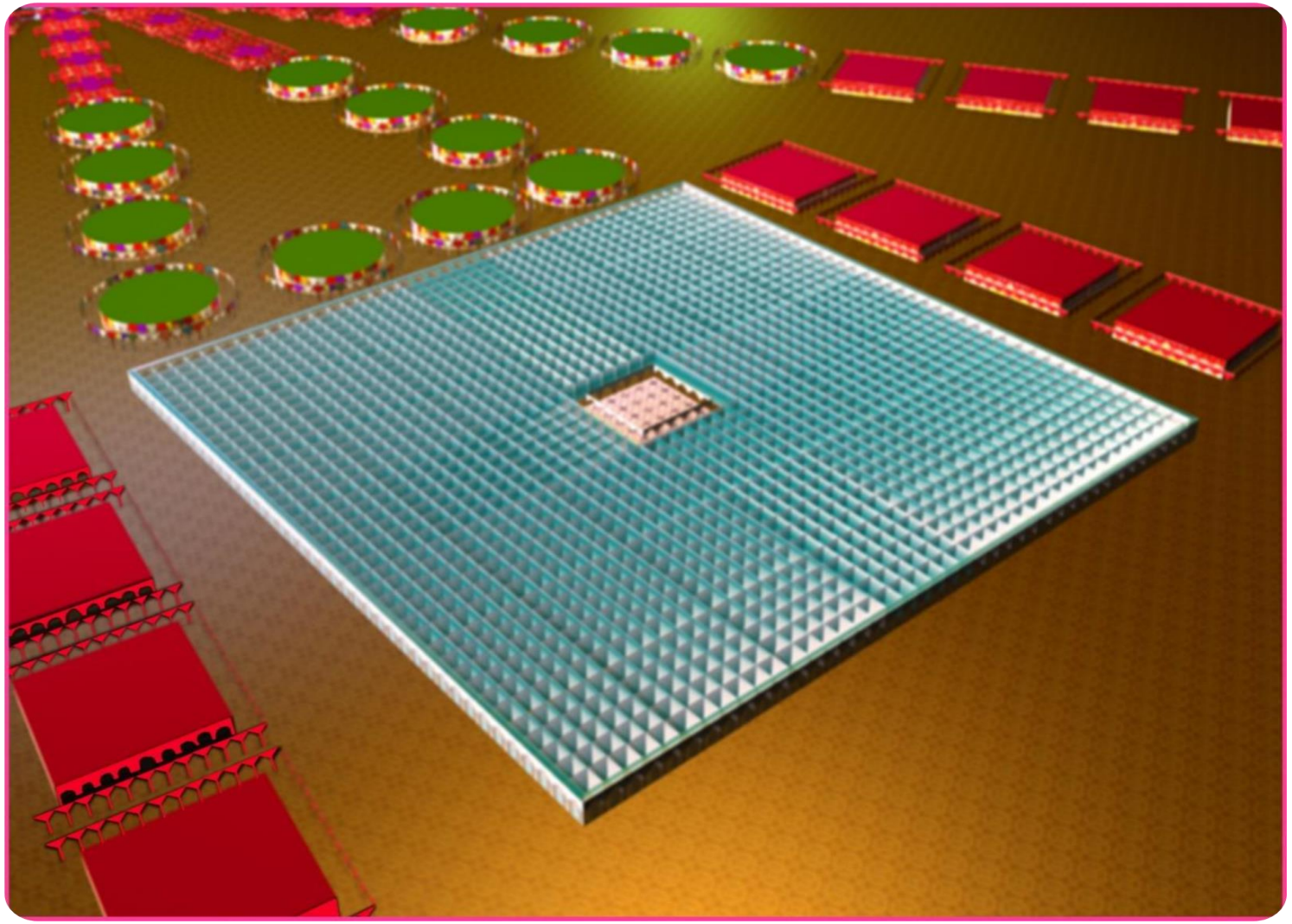

चौक खड़े जब देखिए, चारों तरफो दस दस हार ।
पचास पचास मंदिर की, सब साम सामी पड़े द्वार ॥४५॥

महामत कहे ए मोमिनों, करो सुख अपने याद ।
आओ भुलवनी मंदिरों, देख अपनी बुनियाद ॥५३॥

रंगमहल दूसरी भोम – खड़ोकली

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

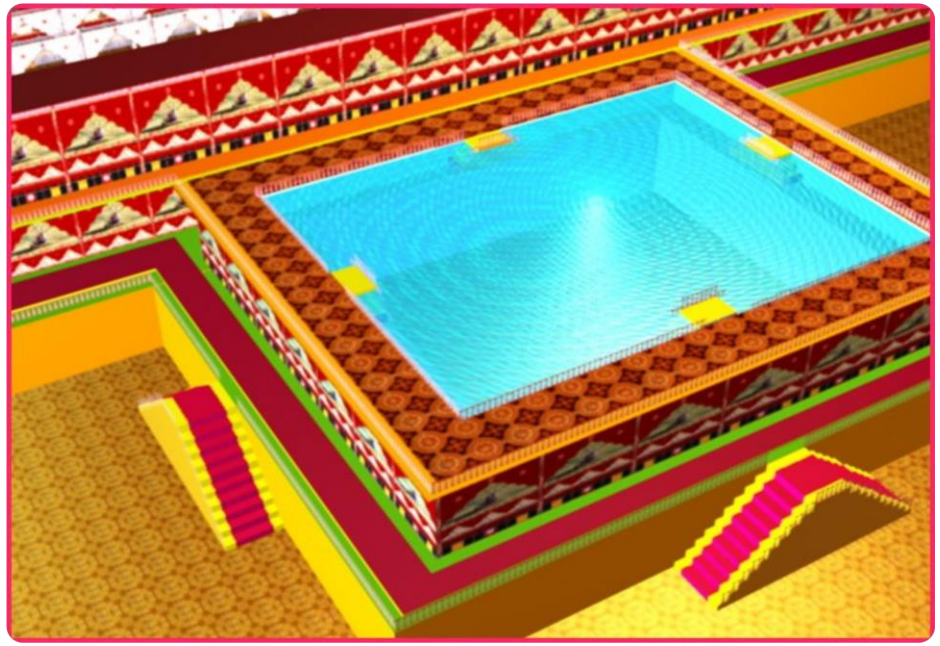

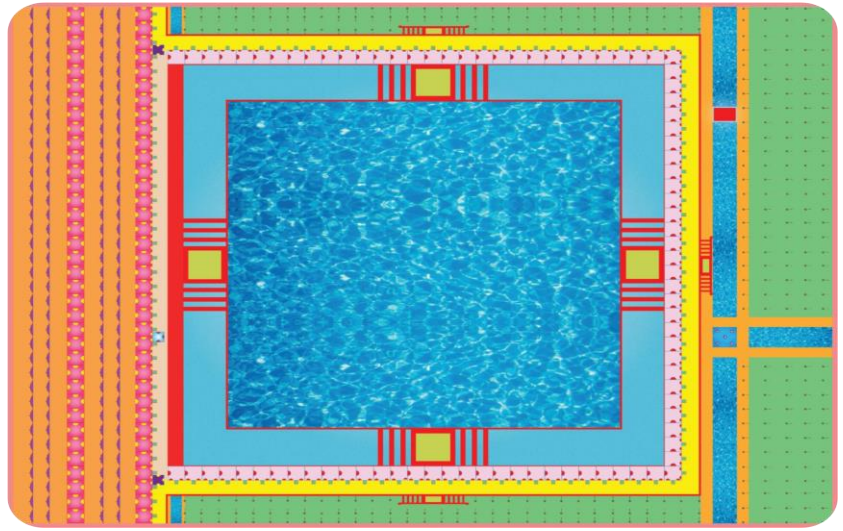

इत खड़ोकली जल हिलोले , धनी साथ झीलें झकोलें।
इत सिनगार करके खेलें , ठौर जुदे–जुदे जुत्थ मिले ।।

रंगमहल की तीसरी भोम

पड़साल , देहलान, चबूतरा

नीला पीला मंदिर

आसमानी मंदिर

रंगमहल तीसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/04Y5UjUHXIY?si=cn4qOnW4EfmAU3FJ

रा	
चबूतरा	4M W x 1M L
देहलान	4M W x 1M L
देहलान मंदिर	3 मंदिर दायें 3 मंदिर बाये
पड़साल	10M W x 2M L
नीला पीला मंदिर	देहलान दक्षिण, 2nd मंदिर
आसमानी मंदिर	28 थंभ का चोक दक्षिण , 1st मंदिर

पीछे बैठि करें सिनगार, सखियां करावें मनुहार।।२।।
श्री श्यामा जी मन्दिर और, रंग आसमानी है वा ठौर।
चार चार सखियां सिनगार करावें,

देहलान दस मन्दिर का, झरोखे दस सामिल ।
माहे चौक दस मन्दिर का, हुये तीनों मिल कामिल ।।29।।
तीसरा हिस्सा एक हांस का , ये जो दस झरोखे ।
द्वार थम्भ आगू इन, ना दीवाल बीच इनके ।।30।।
दाहिनी तरफ दूजा जो मन्दिर, आए बैठें ताके अन्दर ।।92।।
नीला ने पीला रंग, ताकि उठत कै तरंग ।।93।।

रंगमहल तीसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/04Y5UjUHXIY?si=cn4qOnW4EfmAU3FJ

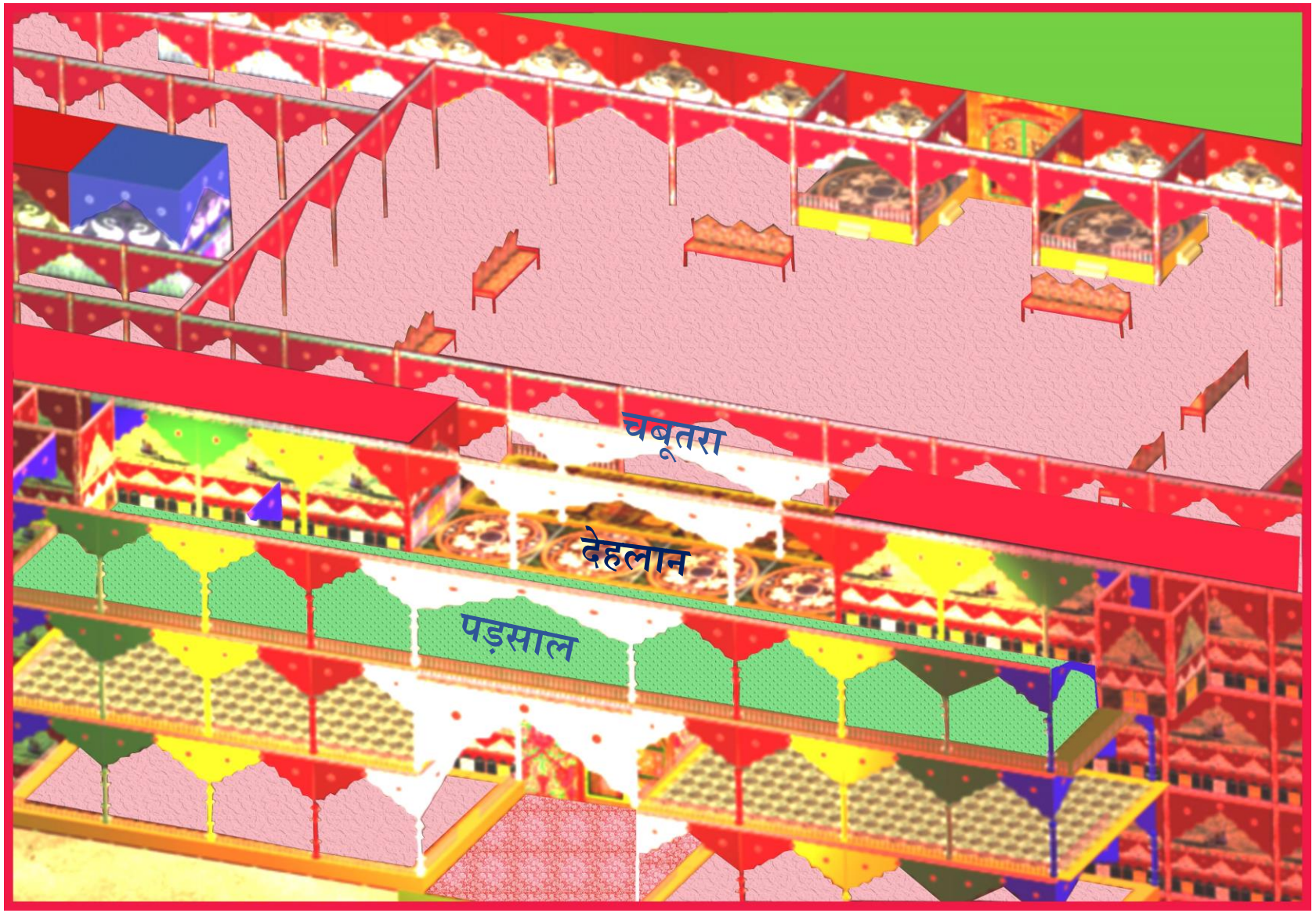

रंगमहल की चोथी भोम

निरत की हवेली

रंगमहल चोथी भोम – निरत की हवेली

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=TCv_X9IKmu8

निरत होत चौथी भोम में, जित मोहोल बन्यो विसाल ।
चौक मध्य अति सुन्दर, क्यों कहूं मंदिर द्वार ॥४३॥

राज स्यामाजी बीच में, बैठक सिंघासन ।
रूहें बारे हजार को, हक देत सुख सबन ॥५१॥

कई विध के बाजे बजें, नवरंग बाई नाचत ।
हाथ पांउ अंग बालत, कही न जाए सिफत ॥५२॥

रंगमहल की पाचमी भोम

रंग परवाली & शयन मंदिर

रंगमहल पाचमी भोम – रंग परवाली & शयन मंदिर

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=TCv_X9IKmu8

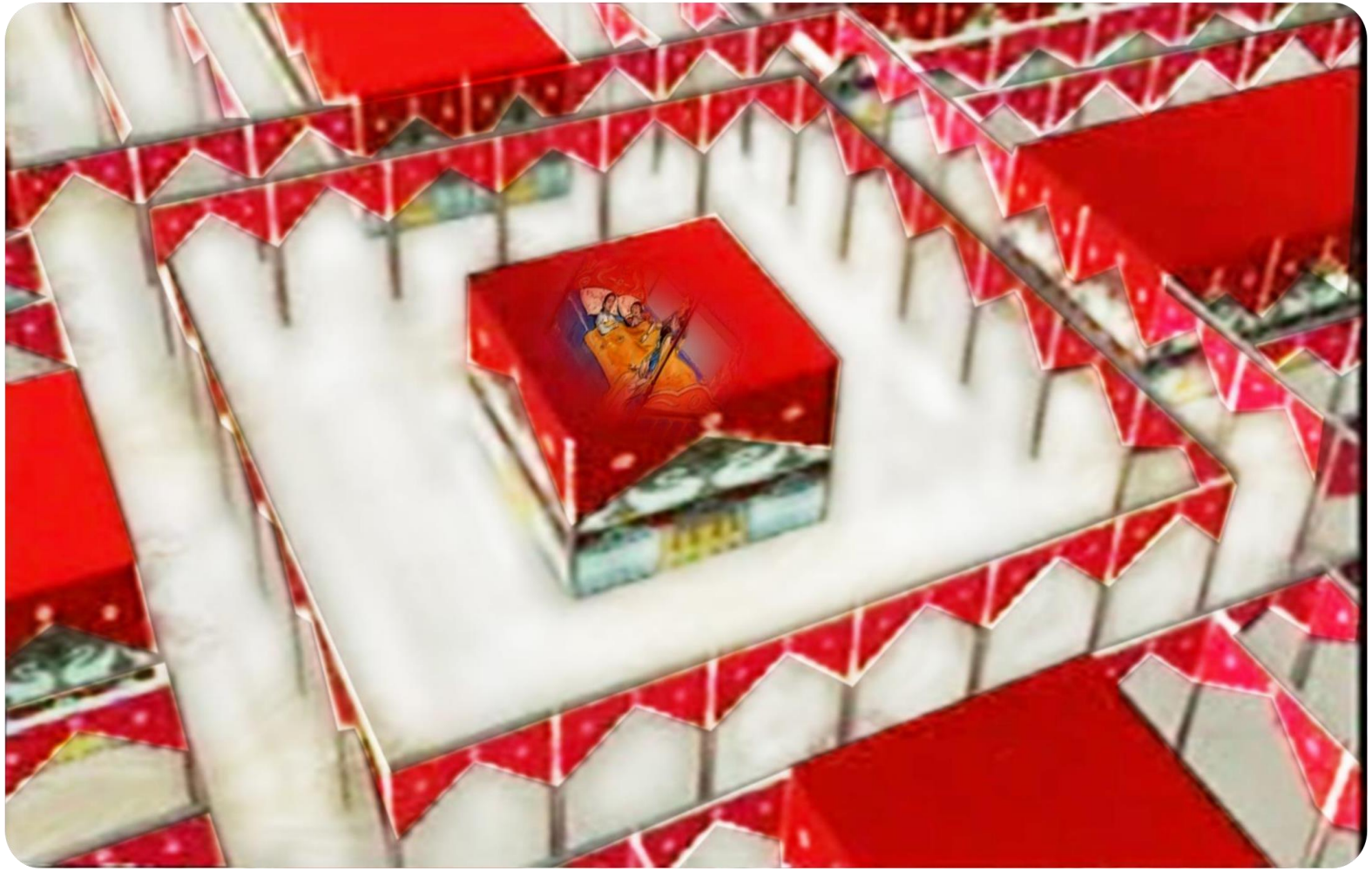

भोम पांचमी मध की, इत पौढ़त हैं रात ।
स्याम स्यामाजी साथ सब, जोलों होए प्रभात ॥०१॥

रूहें कदमों लागत , सिर उठावत तब ।।
जाने आप अपनी सेज पर, बैठे संग श्रीराज ।।

ऐ मंदिर रंग परवाली , सो मैं क्या कहूँ ताकी लाली ।
माहें अनेक रंगों की जोत , सो मैं कही न जाए उद्योत ।।

रंगमहल पाचमी भोम – रंग परवाली & शयन मंदिर

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=TCv_X9IKmu8

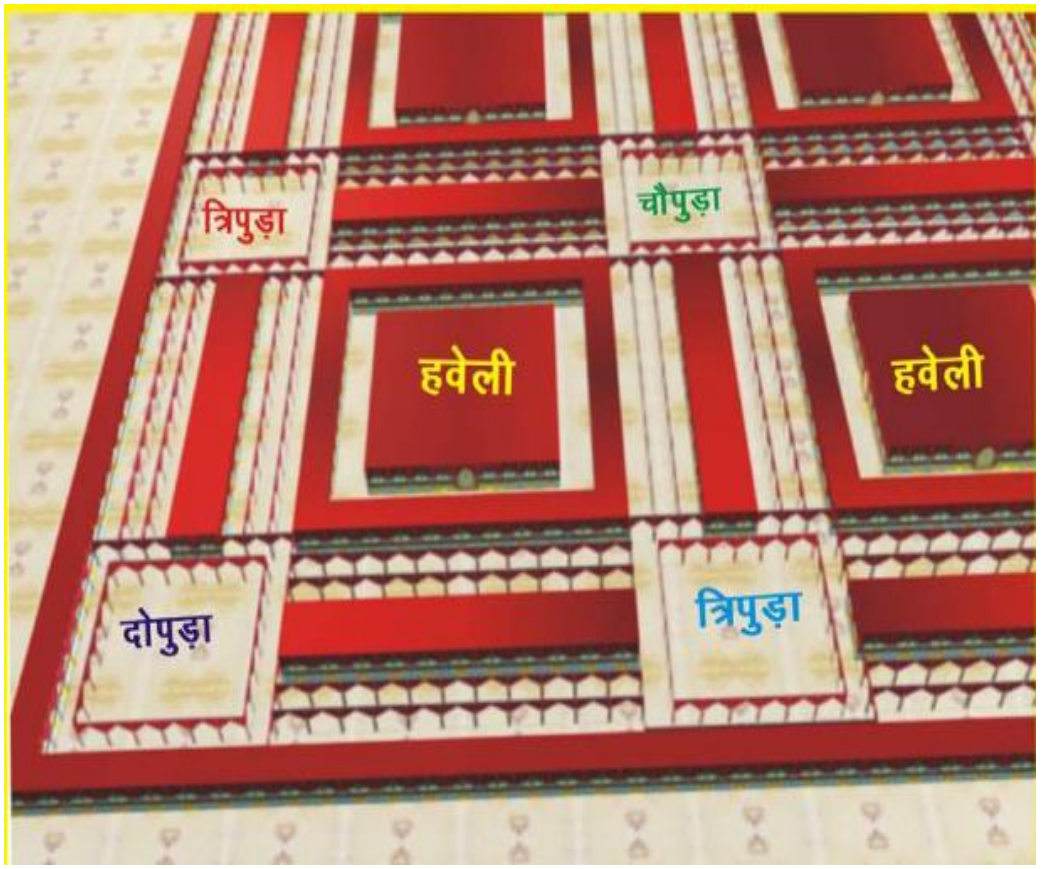

अपने अपने मंदिर पधारो,
भोम पांचमी रतनमयी है ।।४।।

रंगमहल पाचमी भोम – रंग परवाली & शयन मंदिर

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=TCv_X9IKmu8

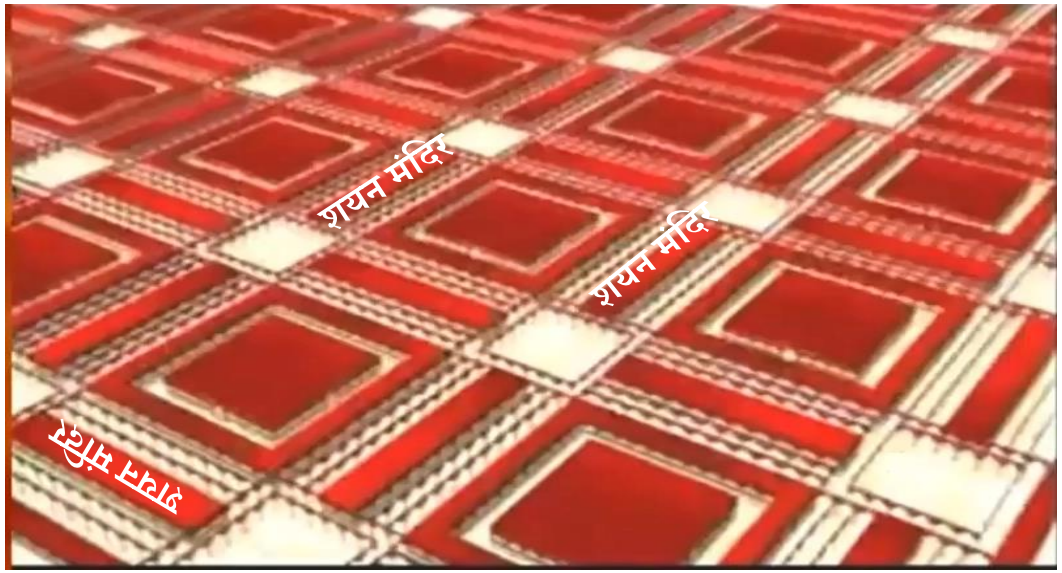

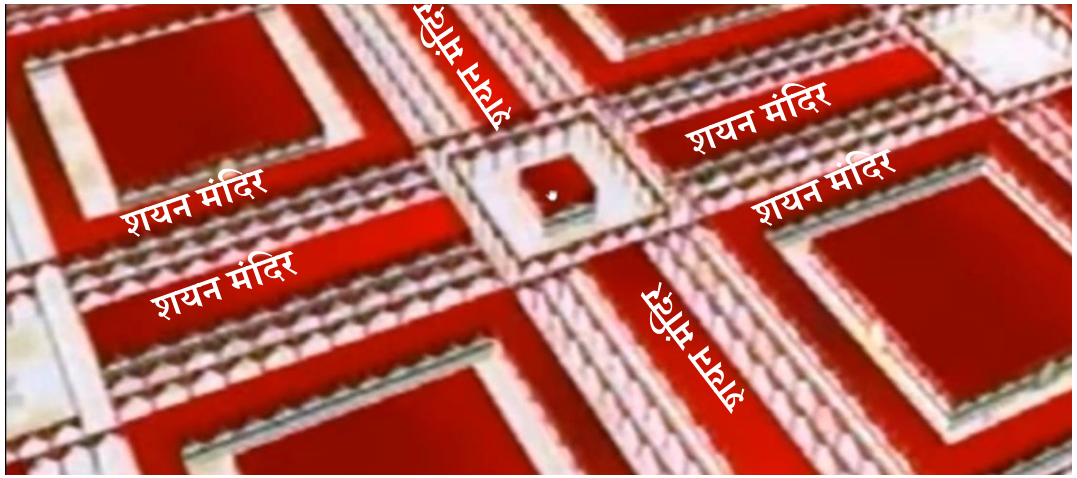

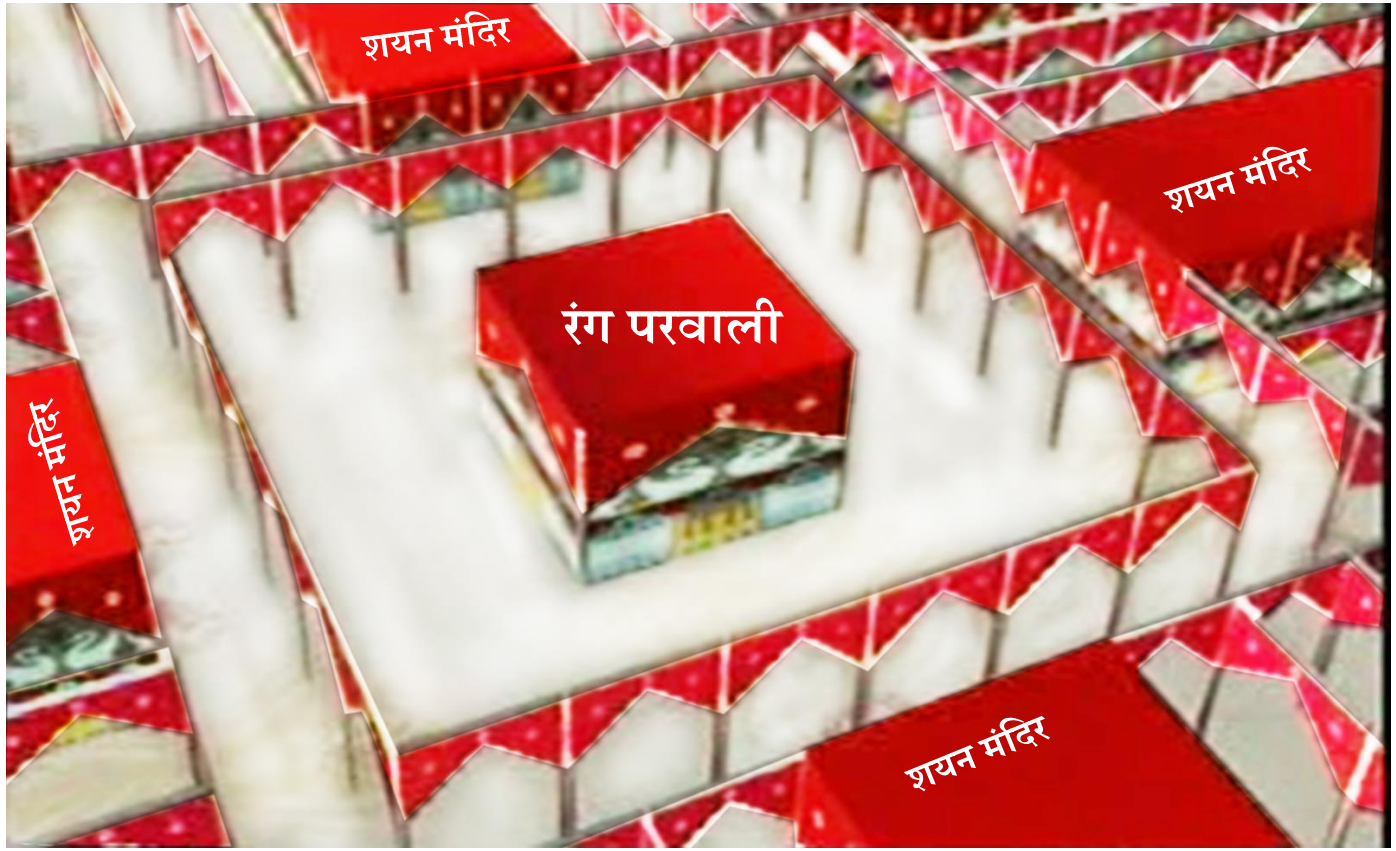

रंग परवाली पिया जी को मन्दिर,
रंग परवाली पिया जी को मन्दिर।।टेक।।

रंगमहल की छठी भोम

सुखपाल

रंगमहल छठी भोम – सुखपाल

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

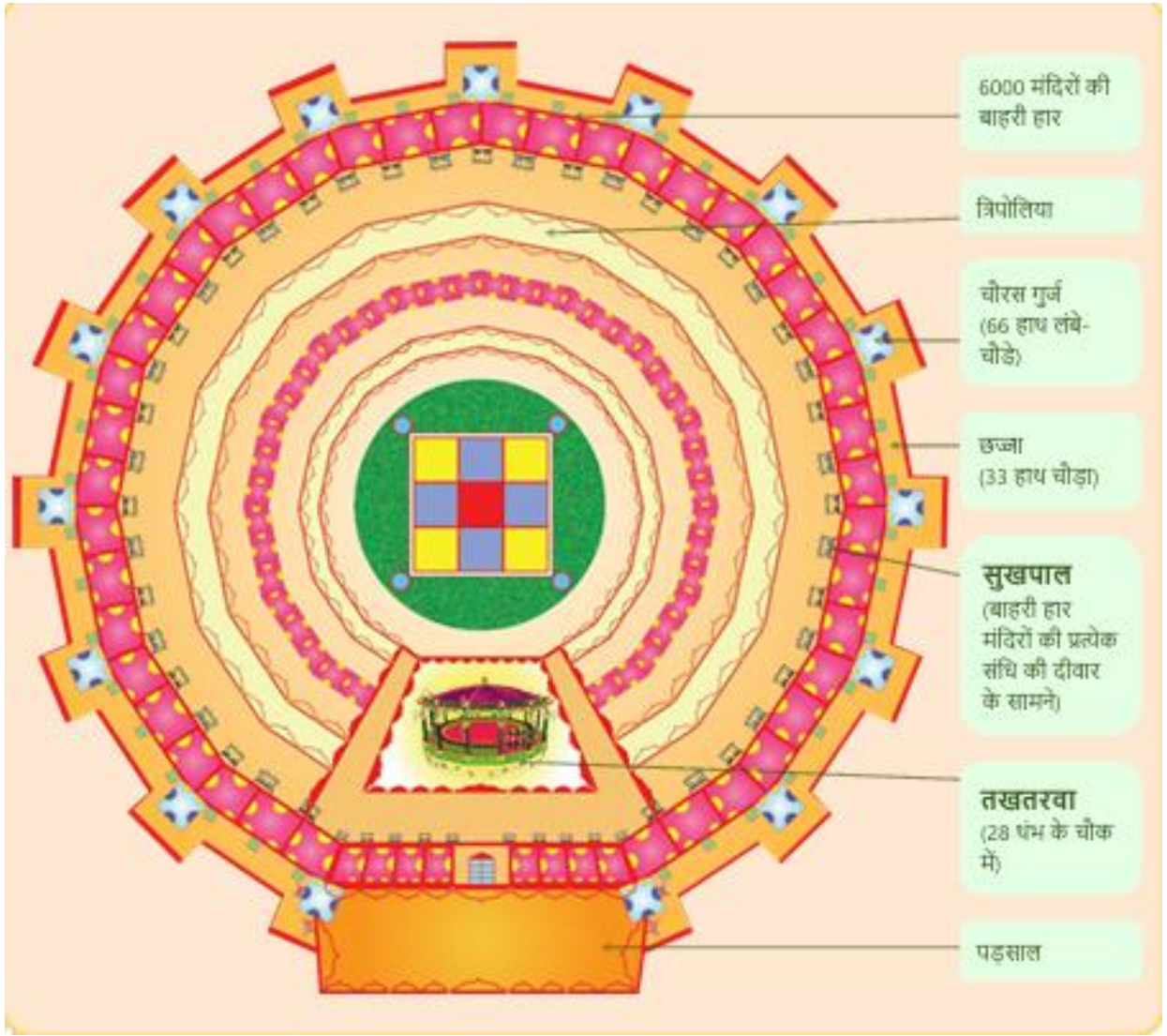

अब कहूं भोम छठी की, गृद मंदिर बारे हजार ।
ए साम सामे दोए हार हैं, रूहें हक सो करें बिहार ॥४३॥

इन भोम में रेहेत हैं, सुखपाल छे हजार ।
तरह तखतरवा की, हक हादी रूहें बैठनहार ॥४५॥

मन वेगी सुखपाल है, जब दिल में चितवे हक ।
हादी रूहों को हाजर, आए पोहोंचे दम माफक ॥४९॥

दिल ऊपर चलत हैं, मन वेगी सुखपाल ।
असवारी समे समे की, सब दिल को करे खुसाल ॥५०॥

क्यूं कहूं शोभा इन समें, जो हक के दिल माफक ।
हक हादी रूहें बन में, नख सिख लों सरूप इशक ॥५१॥

रंगमहल छठी भोम – सुखपाल

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

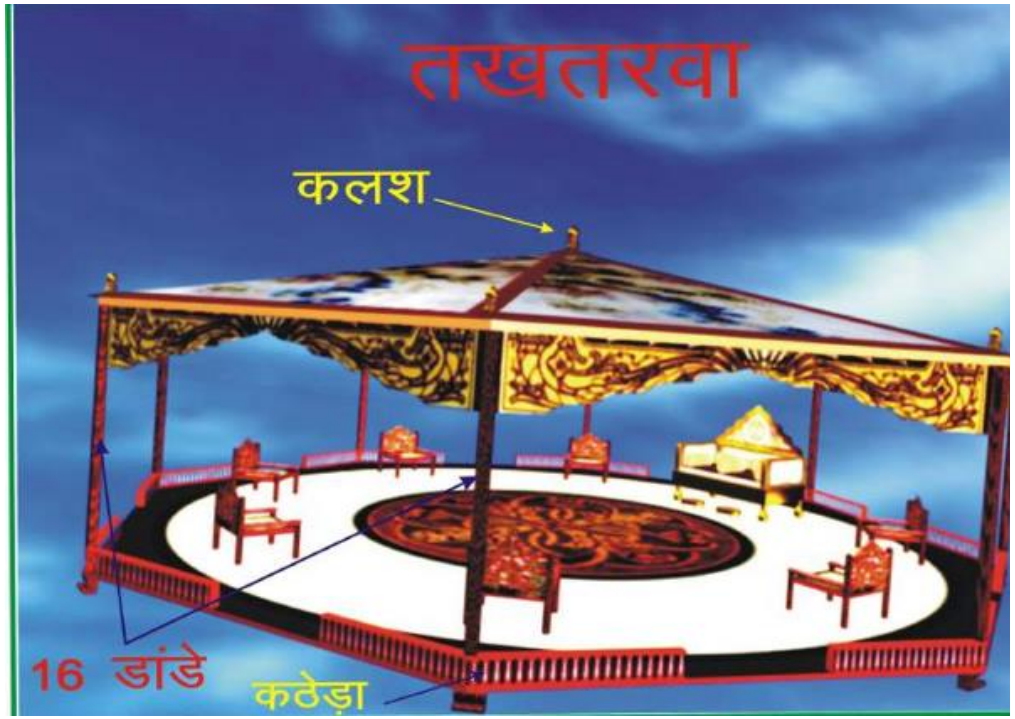

रंगमहल सातमी भोम

दो ताली के हिंडोले

रंगमहल सातमी भोम – दो ताली के हिंडोले

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

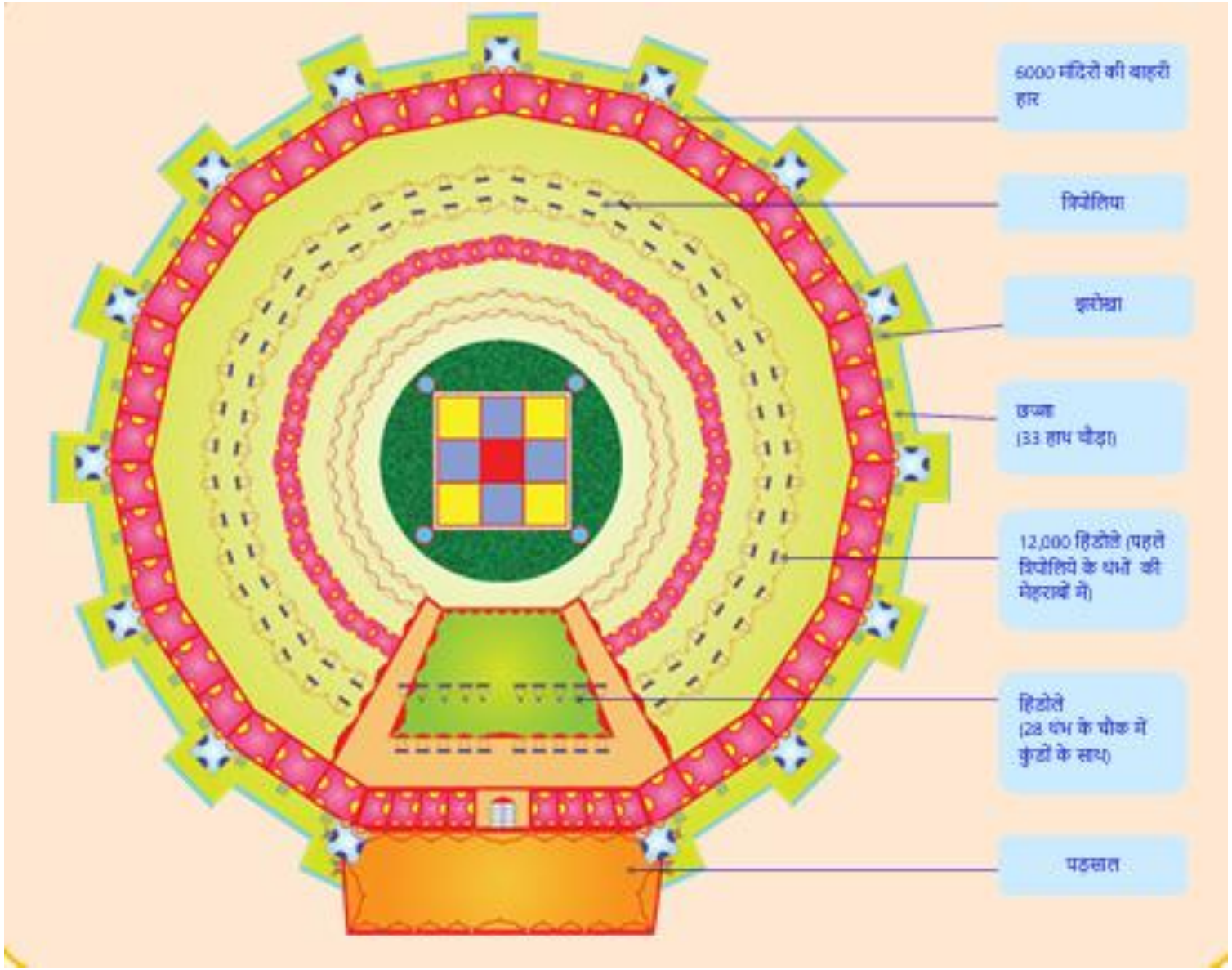

अब कहूं भोम सातमी, जहां हिंडोले छे हजार ।
छप्पर खटों झलकत, संग रूहें परवरदिगार ॥१॥

दोए हार मंदिरन की, दोए हार थम्भ देहेलान ।
तीन गली है तिन की, तहां बारा हजार हिंडोले जान ॥४२॥

ताकी छ हजार गिनती, हिंडोले जो गिरदवाए ।
क्यों कहूं शोभा इनकी, फिरती जो सुखदाए ॥४४॥

हक हादी रूहें हींचत, इन हिंडोलों दरम्यान ।
ए सुख जाने मोमिन, या जाने हक सुभान ॥४७॥

कोई हक सो बातां करे, कोई ठाढ़ी सनमुख ।
कोई नूर जमाल का, देख रही इत मुख ॥४९॥

कोई हंसत हक सों, बातां करे बनाए ।
साम सामी दोए रीझत, ए सुख कह्यो न जाए ॥५०॥

रंगमहल सातमी भोम – दो ताली के हिंडोले

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

सुख कहाँ कहूँ भोम सातमीं , जो लेते खटोंछपर ।
हक हादी रूहें झूलत , साम सामी बाँध नजर ।।

ऐ सुख आनंद अति बड़ो , रंग रस बढ़त अति जोर ।
भूखन हांसी कड़े हिण्डोले, ऐ क्यों कहूँ अर्श सुख सोर।।

रंगमहल आठवी भोम
चार ताली के हिंडोले

रंगमहल आठवी भोम – चार ताली के हिंडोले

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

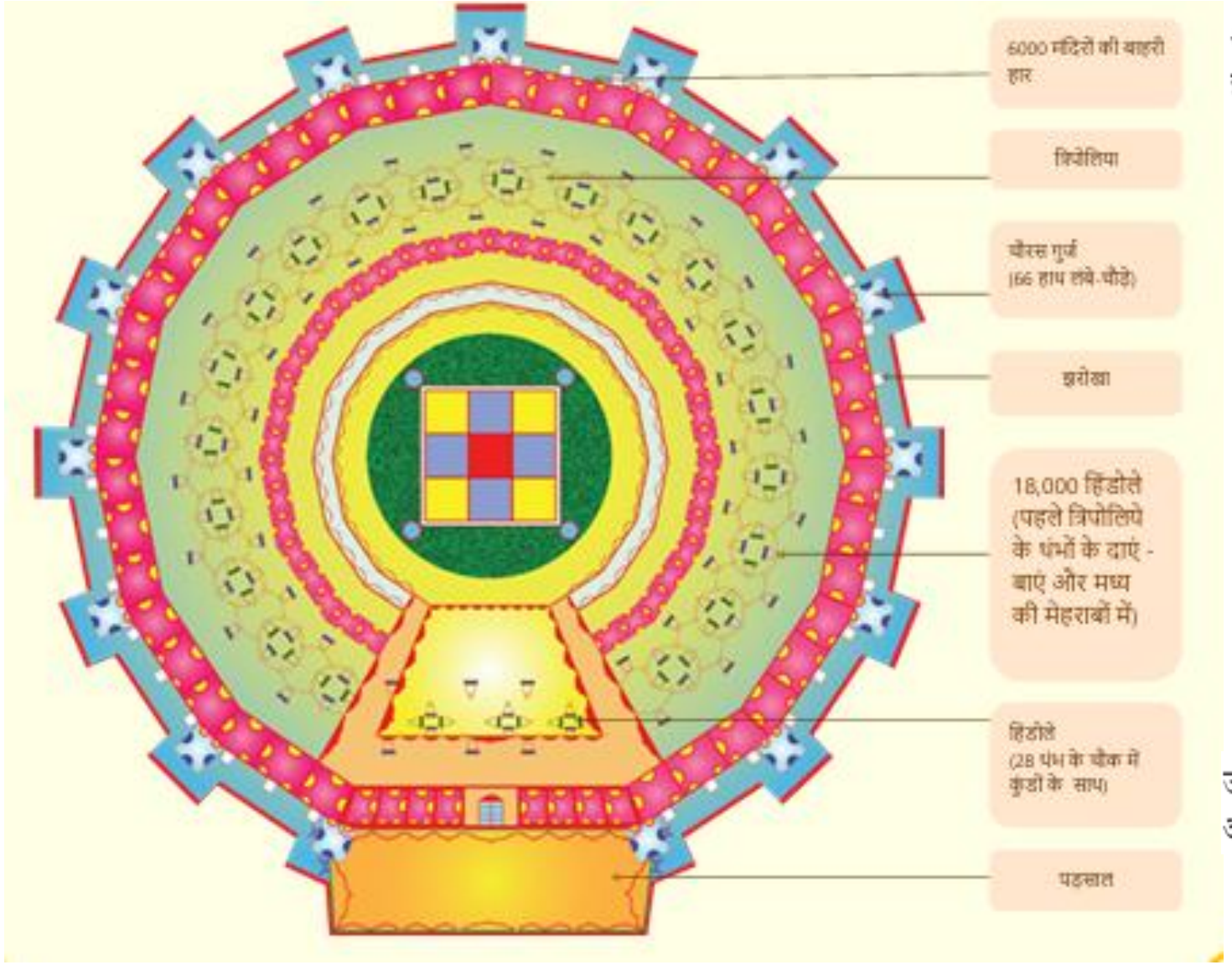

अब कहूं भोम आठमी, अरस अजीम का ठौर ।
इहां पोहोंचे एक मोमिन, कोई सुन न सके और ॥१॥

अब कहूं भोम आठमी, गृद मंदिर बारे हजार ।
जित हक हादी रूहें, हिंडोले करत बिहार ॥४६॥

गृद दोए हार मंदिरन की, जाके साम सामी हैं द्वार ।
ता बीच दो हार थम्भन की, तीनों गली हिंडोलों हार ॥४७॥

इन थम्भ दरम्यान हिंडोले, गिनती छे छे हजार ।
ए मंदिरों आगे थम्भन के, दरम्यान छे हजार हार ॥४८॥

जमा कहूं सबन की, गिनती अठारे हजार ।
हक हादी रूहें हींचत, याकी लेहेरां अति सुखकार ॥४९॥

कहूं बैठ हिंडोले हींचत, छूट जात फेर दूर ।
साम सामी ताली देत हैं, क्यूं कहूं बिलास जहूर ॥५४॥

हिंडोले हींचत अंग में, होत सुख अपार ।
आवत जात लेहेरा उठे, ए सुख मोमिन जाननहार ॥५३॥
उतर हिंडोले जब चले, पाउं भूखन करत ठमकार ।
अंग उमंग बिहार रस, कह्यो न जाए एह बिहार ॥५७॥

रंगमहल आठवी भोम – चार ताली के हिंडोले

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

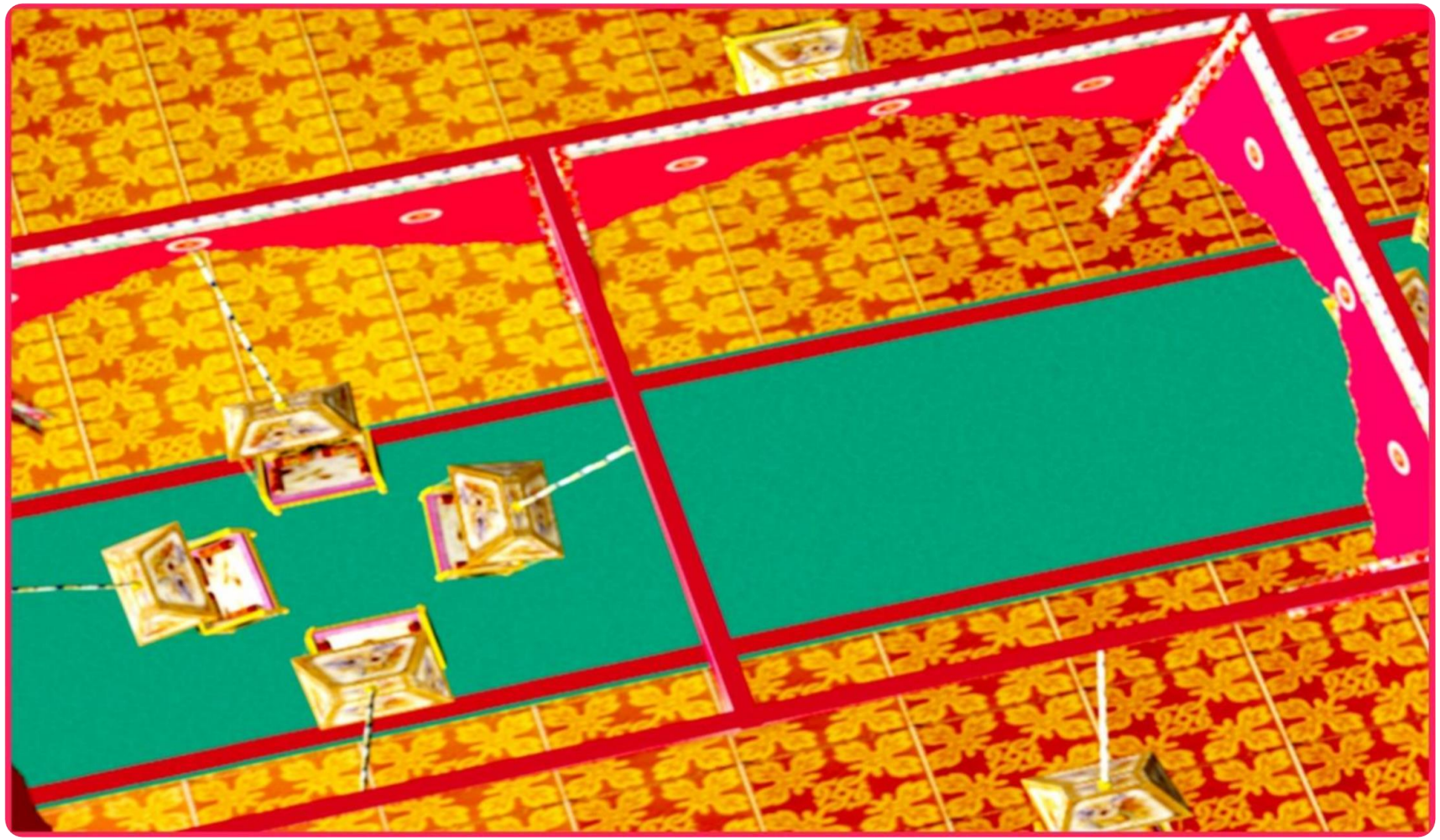

सुख हिण्डोले भोम आठमीं , हक हादी रूहें हींचत।
ऐ चारों तरफ के झूलने , हक हमको देत लज्जत ।।

रंगमहल नौवमी भोम

दूरदर्शीका

रंगमहल नोवमी भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

नजरों सब आवत है , इन ऊपर की बैठक ।
देख दूर की बातें करें , रंग रस उपजावे हक ।।

या हौज या जोए के , कई विध देवें सुख ।
जब हक आराम देवहीं , तब सोई करें रूहें रूख ।।

रंगमहल नौवमी भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

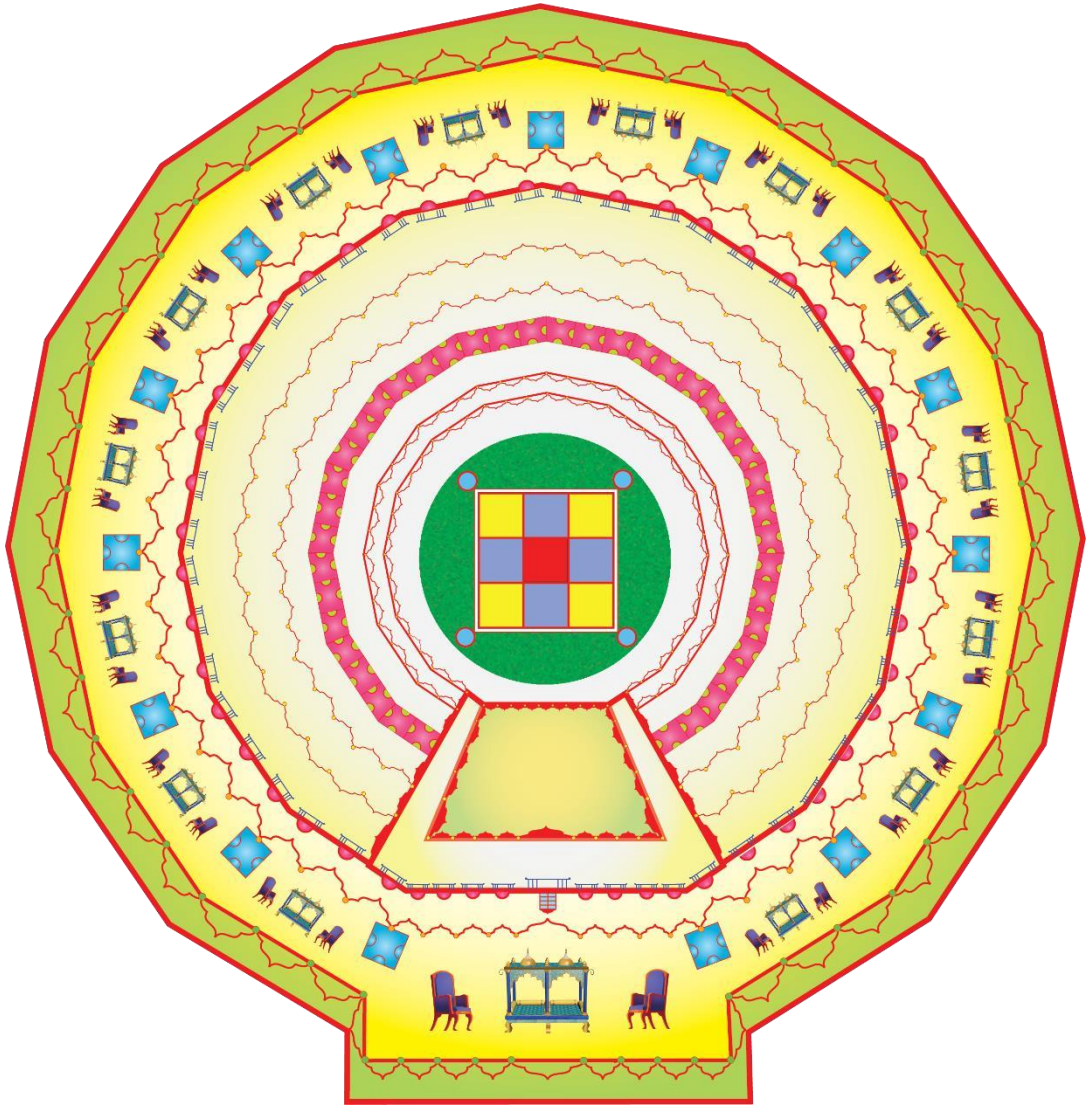

ए छज्जा देहेलान एक बनी, दोए गुरजो दरम्यान ।
तहां गृद फिरता छज्जा, लटकत कठेड़ा आगे जान ॥४५॥

रंगमहल दसवीं भोम

आकाशी / चांदनी

रंगमहल दसवीं भोम – आकाशी / चांदनी

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

रंगमहल दसवीं भोम – आकाशी / चांदनी

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

रंगमहल दसवीं भोम – आकाशी / चांदनी

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

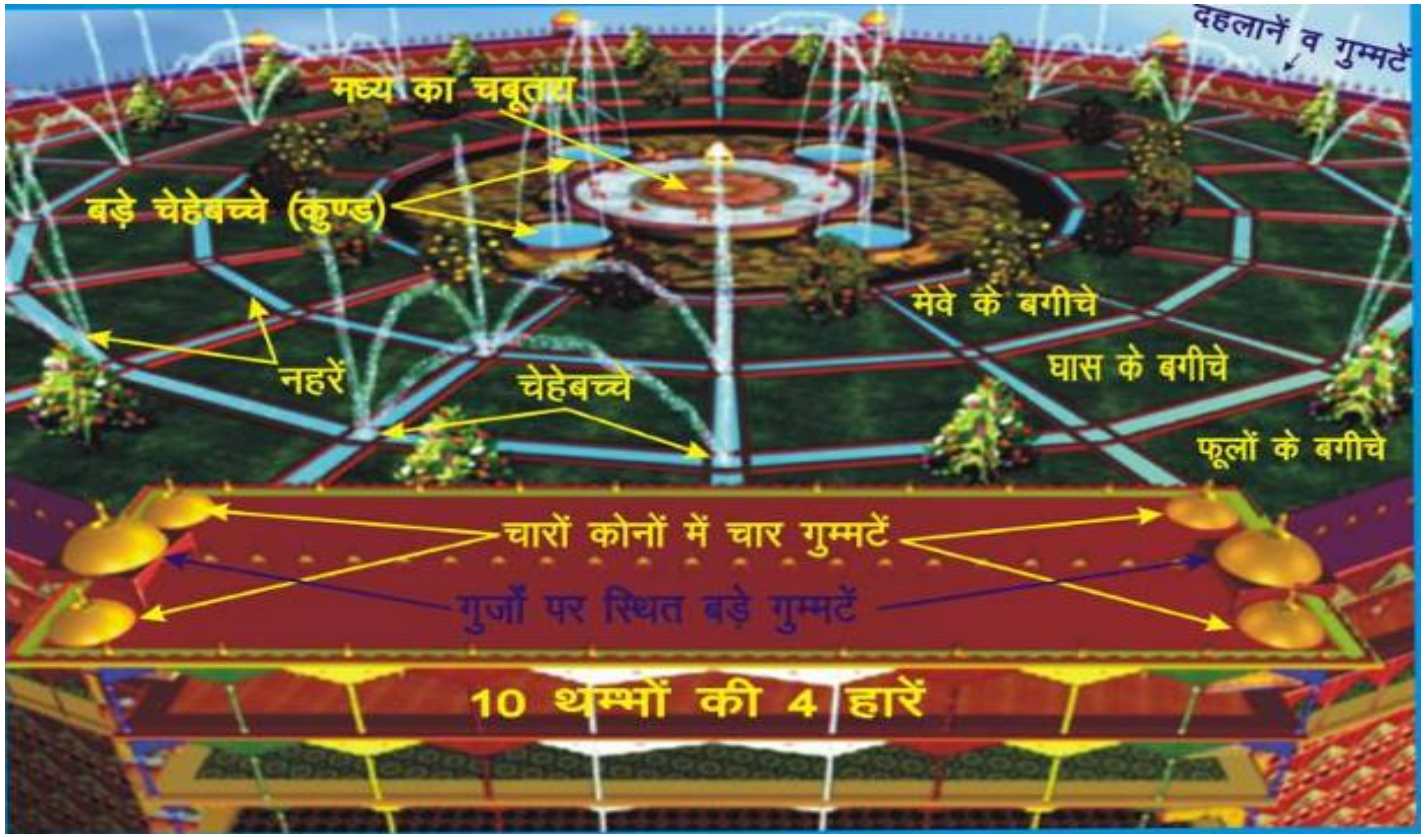

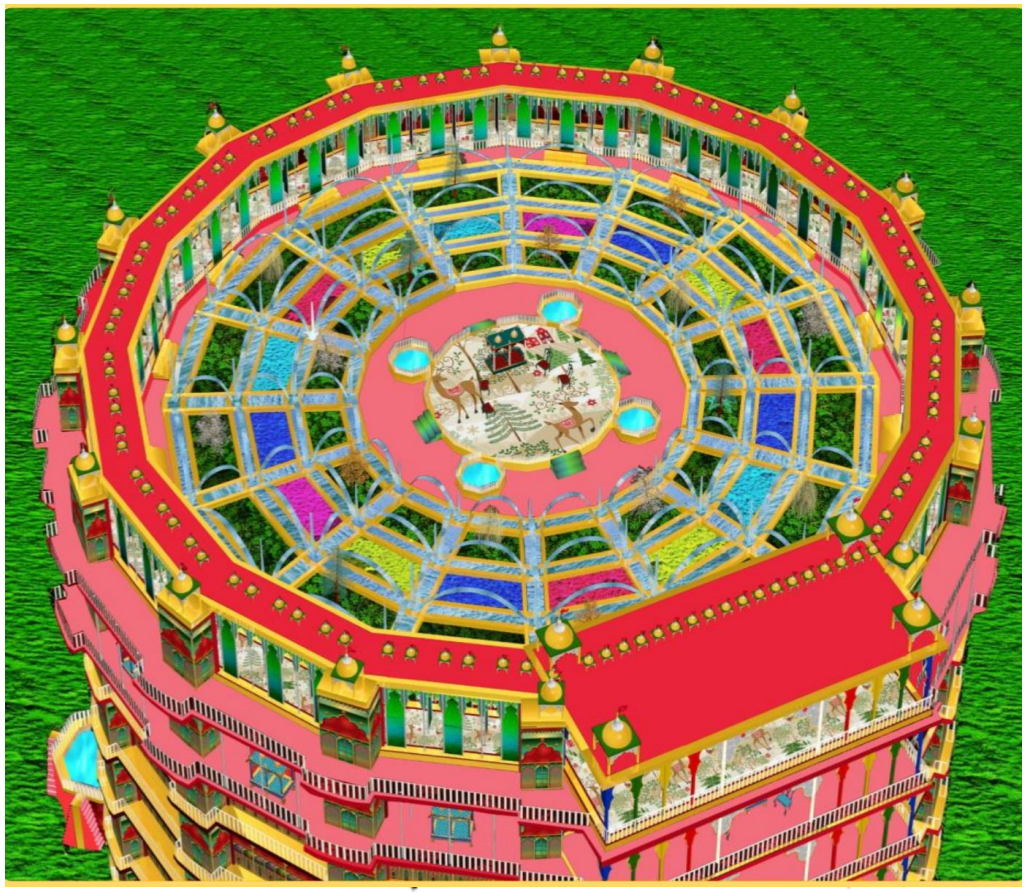

सुख चाँदनी चढ़ाय के , पूनम की मध्य रात ।
ऐ कौन देवे माशूक बिना , इश्क भीगे अंग गात ।।

चारों तरफों चेहेबच्चे , ऐ शोभा अति सुंदर ।
जल गिरत फुहारे मोतियों , चारों चाँदनी अंदर ।।

अर्स आये लग्या आकासें , उठ्या जोत अपनी ले ।
चाँद सितारे अंबर , आये मुकाबिल अर्स के ।।

दसमीं भोमें चाँदनी , ऊपर कांगरी जोत।
तेज पुँज इन नूर को , जानों आकास सब उद्योत ।।

रंगमहल दसवीं भोम – आकाशी / चांदनी

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

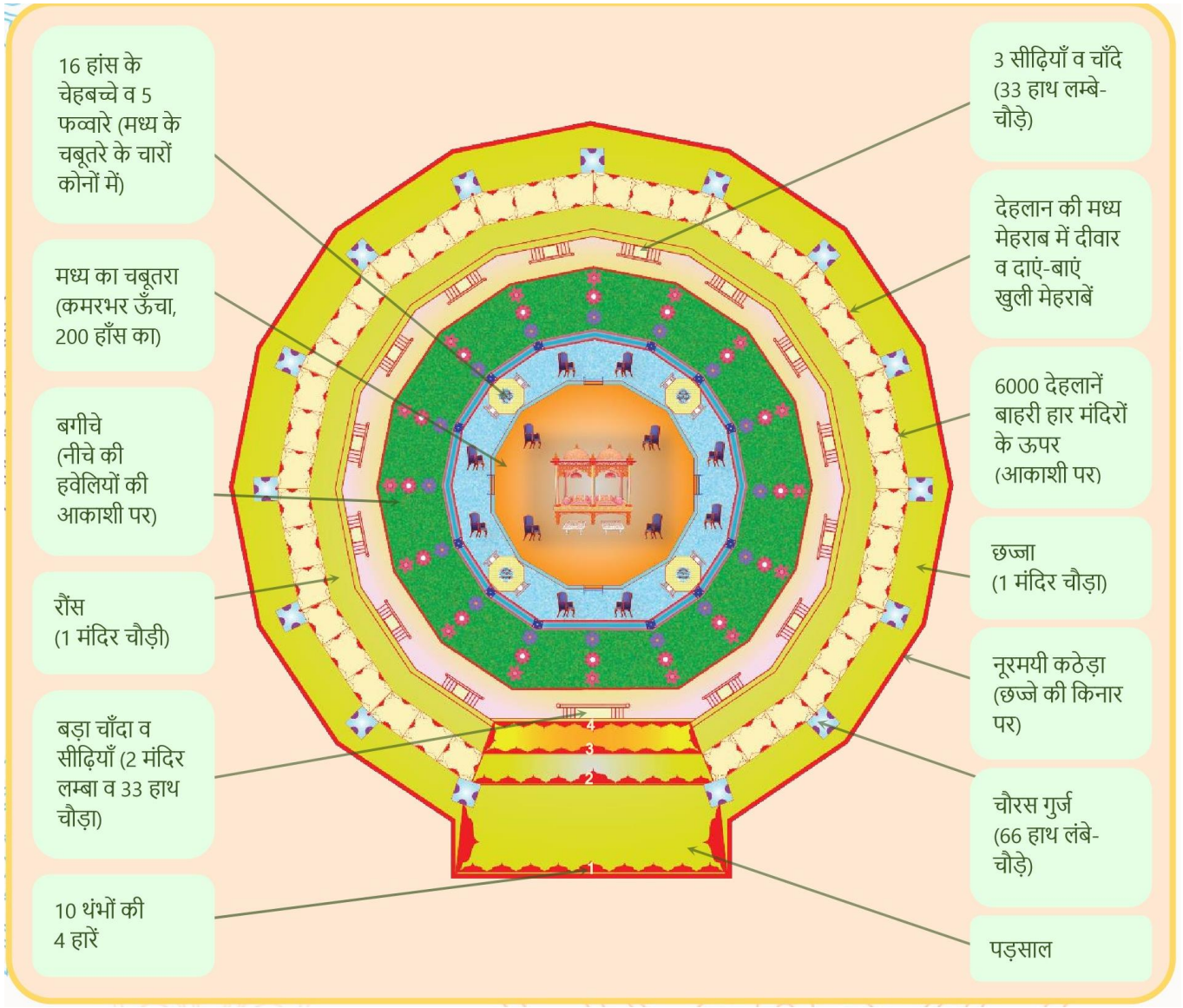

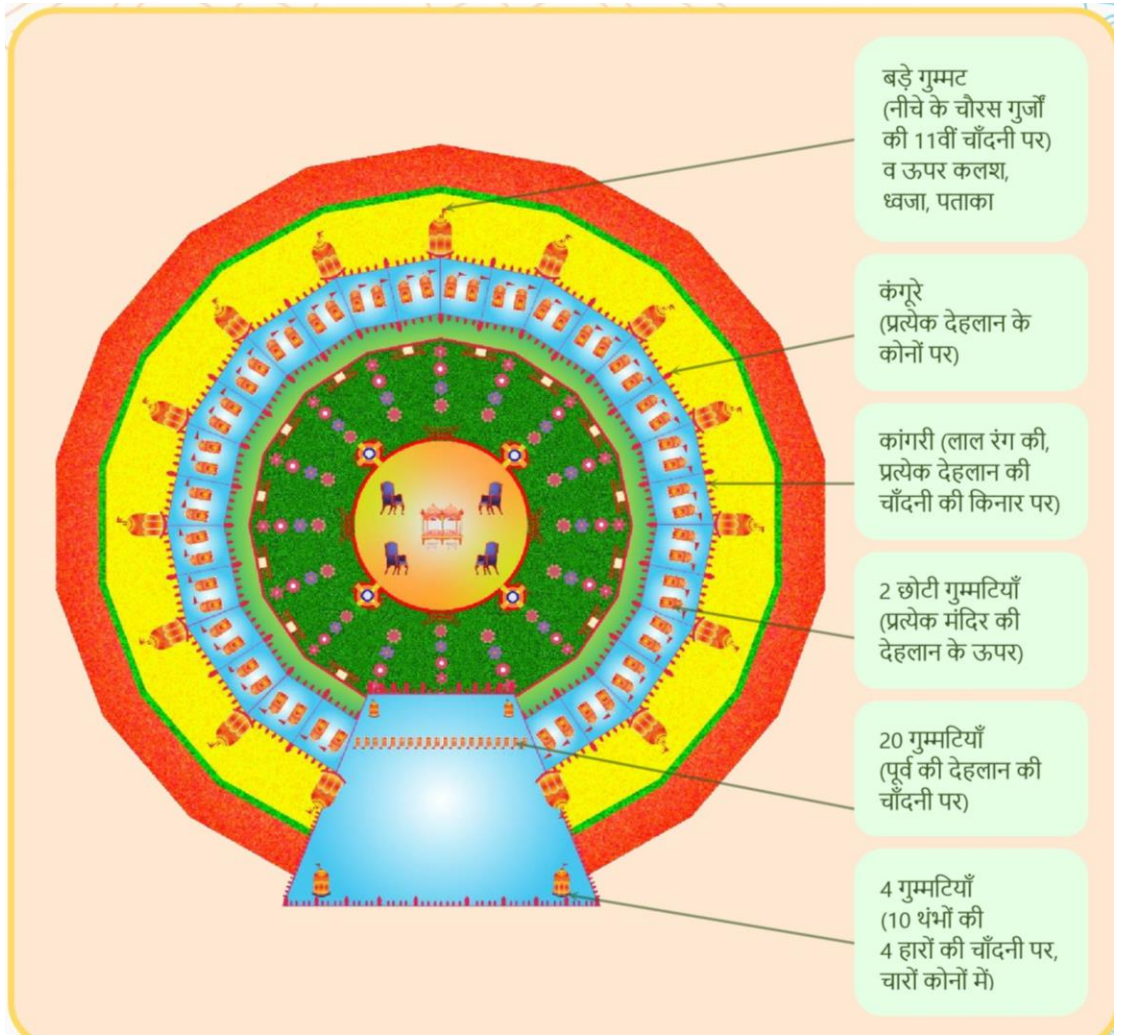

रंगमहल
दस भोम

Pranamji - प्रणामजी